

जय माता की ॥ जय माता की ॥ जय माता की ॥  
हार बनाऊ - शृंगार - चढ़ाऊ - लाल चुनरी उड़ाऊ मेरी मेरी ॥

माता अम्बेरानियाँ ॥ ओ माता अम्बेरानियाँ ॥

① प्यार से मेरी जो बुलाये ॥ खड़े हम शीश मुकाये ॥  
बड़ी दूर से आये ॥ पर दर्शन पाये ॥ बड़ी मेहरबानियाँ ॥  
हार बनाऊ - माता अम्बेरानियाँ - जय माता की -

② जो आये बनेके सवाली ॥ कभी न जाये खाली ॥  
मेरी मेरी शेरवाली ॥ तेरी किमता है निराली ॥ देती निशानियाँ ॥  
हार बनाऊ - माता अम्बेरानियाँ - जय माता की -

③ खड़े मेरी तेरे द्वारे ॥ दिखे सब मूठे सहारे ॥  
दिल मेरा पुकारे ॥ तूने लारवां तोरे ॥ हरी परेशानियाँ ॥  
हार बनाऊ - माता अम्बेरानियाँ - जय माता की -

④ जब "श्री बाबा श्री" आये ॥ तेरा मेरा धाम ही पाये ॥  
वहीं गुणगान तेरे गाये ॥ धरा पर वापिस न आये ॥ रहेगी कहानियाँ ॥  
हार बनाऊ - माता अम्बेरानियाँ - जय माता की -